# भोजशाला : सर्वे रिपोर्ट, एतिहासिक दस्तावेजों और पुरातात्विक साक्ष्यों को बनाया आधार

▶ प्रबंधन को लेकर कोर्ट ने कहा- संचालन और व्यवस्था का अंतिम निर्णय केंद्र सरकार और एएसआई ले

**इंदौर. हाईकोर्ट ने भोजशाला मामले में अपना निर्णय देते हुए स्पष्ट किया कि एएसआई की सर्वे रिपोर्ट, ऐतिहासिक दस्तावेजों और उपलब्ध पुरातात्विक साक्ष्यों का विस्तृत परीक्षण किया गया. कोर्ट ने माना कि इन साक्ष्यों से स्थल की ऐतिहासिक और धार्मिक प्रकृति को समझने में पर्याप्त आधार मिलता है, जिसे निर्णय का प्रमुख आधार बनाया गया.**

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि भोजशाला एक संरक्षित स्मारक है, इसलिए इसके प्रबंधन, संचालन और व्यवस्था को लेकर अंतिम निर्णय केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा लिया जाना चाहिए. कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि इस प्रक्रिया में ऐतिहासिक महत्व और धार्मिक आस्था दोनों पहलुओं का संतुलन जरूरी होगा.

### क्यों किए पुराने आदेश निरस्त...

हाईकोर्ट ने वर्ष 2003 में लागू की गई पूजा और नमाज की व्यवस्था को निरस्त करते हुए कहा कि यह आदेश वर्तमान में उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के अनुरूप नहीं पाया गया. कोर्ट ने माना कि परिस्थितियों और प्रमाणों के आधार पर इस व्यवस्था पर पुनर्विचार आवश्यक था.

**संरक्षण को लेकर की सख्त टिप्पणी**-फैसले में हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के स्थलों का संरक्षण करना सरकार की जिम्मेदारी है. साथ ही यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसे स्थलों की मूल पहचान, संरचना और उनसे जुड़ी धार्मिक आस्था सुरक्षित बनी रहे.

## भोजशाला मामले में कोर्ट का फैसला महत्वपूर्ण

### मां वाग्देवी की प्रतिमा भारत वापस लाने सरकार को विचार करने का निर्देश स्वागतयोग्य

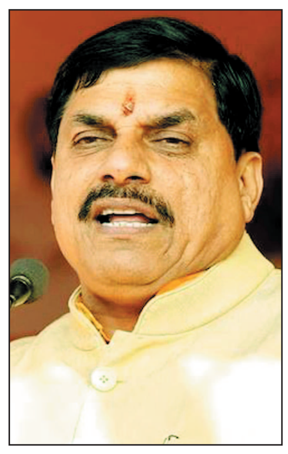

**भोपाल**, 15 मई. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोजशाला मामले में उच्च न्यायालय के फैसले को महत्वपूर्ण बताया है.

डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए कहा है, 'माननीय उच्च न्यायालय द्वारा धार की ऐतिहासिक भोजशाला को संरक्षित स्मारक एवं मां वाग्देवी की आराधना स्थली मानते हुए दिया गया निर्णय हमारी सांस्कृतिक विरासत, आस्था और इतिहास के सम्मान का महत्वपूर्ण क्षण है. एएसआई के संरक्षण एवं प्रबंधन में भोजशाला की गरिमा और अधिक सुदृढ़ होगी तथा श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार सुनिश्चित होगा.'

मुख्यमंत्री ने कहा है, 'मां वाग्देवी की प्रतिमा को यूके से भारत वापस लाने के संबंध में केंद्र सरकार को विचार करने का निर्देश स्वागतयोग्य है. इस दिशा में राज्य सरकार भी आवश्यक प्रयास करेगी.' उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति सदैव 'सर्वधर्म समभाव', सामाजिक समरसता और भाईचारे की वाहक रही है.हम न्यायालय के निर्णय का पूर्ण सम्मान करते हैं और प्रदेश में सौहार्द, सांस्कृतिक गौरव एवं सामाजिक सद्भाव को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय का यह निर्णय स्वागतयोग्य है. राज्य सरकार इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी.

### सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय सम्मान के लिए आवेदन आमंत्रित

**भोपाल.** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली स्मृति में सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान स्थापित किया गया है. यह सम्मान सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य, न्याय प्रियता, सुशासन, दानशीलता, प्रजावत्सलता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से स्थापित सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान की राशि 1 करोड़ 1 लाख रुपये निर्धारित की गई है. इसके साथ ही 21 लाख रुपये का राष्ट्रीय सम्मान और पांच-पांच लाख रुपये के तीन शिखर सम्मान भी स्थापित किए गए हैं. यह सम्मान भारत की सांस्कृतिक गरिमा को विश्व मंच पर नई पहचान प्रदान करेगा. इच्छुक संस्थाएं एवं व्यक्ति 20 मई तक सम्मान के लिए नामांकन भर सकते है.

# व्यसन मुक्त समाज की परिकल्पना, सीएम बोले... हमने शराब बंदी की

▶ सीएम ने रामघाट पर किया अवलोकन

▶ नागरिकों ने चौड़ीकरण में दिया साथ, यह बड़ी बात

नवभारत न्यूज

**उज्जैन. मध्य प्रदेश के 19 शहरों में हमने शराब बंदी कर दी है, व्यसन से मुक्त समाज की दिशा में हमने तेजी से कदम बढ़ाए हैं और अब धार्मिकता आध्यात्मिकता की और युवाओं का भी रुझान होने लगा है. आज जय गुरुदेव बाबा के आश्रम में सिंहस्थ सा नजारा है और लगता है कुंभ शुरू हो गया है.**

यह बात मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरुवार को जय गुरुदेव बाबा के आश्रम में उस वक्त कहीं जब वे जय गुरुदेव बाबा के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी उमाकांत तिवारी जी से आशीर्वाद लेने पहुंचे.

**सीएम ने सुना सत्संग**-उज्जैन के मक्सी रोड स्थित जय गुरुदेव आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने गुरुदेव उमाकांत महाराज से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके अमृत प्रवचनों का श्रवण किया. आश्रम परिसर में लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने सिंहस्थ जैसा दृश्य प्रस्तुत किया.

**मोहन प्यारे..,** -गुरुदेव उमाकांत महाराज ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे वर्षों से श्रद्धा के साथ आश्रम आते रहे हैं. उन्होंने स्नेहपूर्वक कहा कि पहले वे उन्हें 'मोहन प्यारे' कहकर बुलाते थे और अब अपने कार्यों से वे प्रदेश की जनता के भी लाडले बन गए हैं. उन्होंने सत्य, सनातन और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए जनसेवा करते रहने का संदेश दिया.

### यहां शराब निषेध

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुदेव के आशीर्वाद से प्रदेश में गौसंरक्षण, गीता वन निर्माण, धार्मिक नगरों में मद्य निषेध और सनातन संस्कृति को सशक्त करने जैसे अनेक कार्य आगे बढ़ रहे हैं. उन्होंने बताया कि उज्जैन ओंकारेश्वर, महेश्वर, दतिया, सलकनपुर, ओरछा, चित्रकूट सहित 19 धार्मिक नगरों में मद्य निषेध लागू किया गया है.

### उज्जैन उत्सवों की नगरी

सिंहस्थ 2028 तक उज्जैन को आधुनिक सुविधाओं से युक्त आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महानगर के रूप में विकसित किया जाएगा. उज्जैन अब केवल धार्मिक नगरी ही नहीं, बल्कि उत्सवों की नगरी के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है.

### रामघाट पर विकास कार्यों का निरीक्षण

जय गुरुदेव आश्रम से निकलने के बाद मुख्यमंत्री सीधे रामघाट पहुंचे. यहां उन्होंने हरसिद्धि पाल से रामघाट तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्य तेजी और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं.

### ...मानो ईश्वर के दर्शन हो गए हों

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुवर के दर्शन करना ऐसा अनुभव है मानो स्वयं ईश्वर के दर्शन हो गए हों. उन्होंने कहा कि गुरुदेव के चरणों से सत्य, संयम और सेवा का मार्ग मिलता है, जो जीवन को नई दिशा प्रदान करता है.

### होमगार्ड प्रशिक्षण अवलोकन

रामघाट पर मुख्यमंत्री ने होमगार्ड द्वारा आयोजित बाढ़ बचाव प्रशिक्षण का भी अवलोकन किया. उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे जवानों का उत्साहवर्धन किया. जिला कमांडेंट संतोष कुमार जाट ने बताया कि 250 होमगार्ड जवानों को डीप डाइविंग, तैराकी, नाव संचालन, लाइफ जैकेट उपयोग, अंडरवाटर और सरफेस रेस्क्यू का 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

### क्षिप्रा परिक्रमा यात्रा की तैयारियों पर की चर्चा

रामघाट का दौरा इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि आगामी 25 मई को यहीं से प्रसिद्ध क्षिप्रा परिक्रमा यात्रा प्रारंभ होगी. यह यात्रा लगभग 23 वर्ष पूर्व डॉ. मोहन यादव ने जनआस्था अभियान के रूप में प्रारंभ की थी. समय के साथ यह उज्जैन की लोकप्रिय धार्मिक परंपरा बन चुकी है, जिसमें महिला, पुरुष, युवा और संत समाज बड़ी संख्या में भाग लेते हैं. मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाता है. विधायक से मंत्री और फिर मुख्यमंत्री तक की यात्रा तय करने वाले डॉ. मोहन यादव के लिए यह परिक्रमा यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उनकी आस्था, जनसंपर्क और सामाजिक प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक है.

## एमपी में भीषण गर्मी : दोपहर में सतर्क रहने की सलाह

### 40 जिलों में लू का अलर्ट

**भोपाल, 15 मई. मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है. बीते दिनों आंधी-बारिश और ओलावृष्टि के बाद अब प्रदेश भीषण गर्मी और लू की चपेट में आ गया है. मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक प्रदेश के करीब 40 जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है. खासतौर पर मालवा-निमाड़ क्षेत्र के जिलों में हालात अधिक गंभीर बने हुए हैं.**

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच सबसे अधिक गर्मी महसूस होगी. लोगों को बिना जरूरी काम घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है. इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार और देवास में 15 से 17 मई तक तीव्र लू के साथ 'वॉर्म नाइट' की चेतावनी जारी की गई है. यानी रात में भी तापमान सामान्य से अधिक रहेगा और लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलेगी. प्रदेश में कई शहरों में तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया. शाजापुर और नौगांव सबसे गर्म रहे, जहां अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. खरगोन में 44.6 डिग्री, खंडवा और रतलाम में 44.5 डिग्री, जबकि खजुराहो में 44.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ. बड़े शहरों में उज्जैन 44 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा.

### इंदौर में पारा 41 डिग्री पर पहुंचा

शुक्रवार को इंदौर में गर्मी से थोड़ी राहत मिली है. शहर में आज तापमान 41.8 दर्ज किया गया, जो सामान्य 2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है, लेकिन कल दर्ज तापमान से 1 डिग्री कम है. शाम छह बजे तक 40 .4 डिग्री दर्ज हुआ जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है. तीन दिन बाद कल रात के तापमान में भी थोड़ी राहत मिली है और रात का तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया है। तीन से रात का तापमान 30 डिग्री या उससे अधिक बना हुआ था. यह बात अलग है कि 28 डिग्री भी सामान्य से 4 डिग्री ज्यादा ही है. पिछले दो दिनों से गर्म हवाओं से राहत नहीं मिल रही है और आज भी 28 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है. मौसम विभाग द्वारा बताया जा रहा है कि पश्चिमी मध्य प्रदेश में गर्मी बनी रहेगी. तापमान कम ज्यादा होगा.

विफलता ▶ गेहूं खरीदी में भारी अनियमितताओं का आरोप, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

# सरकार गेहूं खरीदी व्यवस्था में विफल : कुणाल

विशेष संवाददाता

**भोपाल, 15 अप्रैल. कांग्रेस सचिव कुणाल चौधरी ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश सरकार पर किसानों को 'झूठे प्रचार' के जरिए गुमराह करने तथा गेहूं खरीदी व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित करने में विफल रहने का आरोप लगाया.**

भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में चौधरी ने कहा कि वर्ष 2026 को 'कृषि उत्सव वर्ष' घोषित करने के बावजूद भाजपा सरकार किसानों को अव्यवस्था, आर्थिक संकट और खरीदी में देरी से जूझने के लिए मजबूर कर रही है. इस अवसर पर मुकेश नायक, राहुल राज, रितेश त्रिपाठी और सुभाष भी उपस्थित रहे.

उन्होंने सरकार के विज्ञापनों का हवाला देते हुए कहा कि यदि प्रदेश में इस वर्ष 365.11 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन हुआ है, तो खरीदी का लक्ष्य मात्र लगभग 100 लाख मीट्रिक टन क्यों रखा गया. चौधरी ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर किसानों को मंडियों में कम दाम पर फसल बेचने के लिए मजबूर कर रही है.

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रदेशभर के खरीदी केंद्रों पर कट्टों की कमी, वेयरहाउस भरे होने और स्टॉक उठाव में देरी जैसी समस्याएं बनी हुई हैं, जिसके कारण किसानों को कई-कई दिनों तक कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है. उन्होंने दावा किया कि फरवरी से गेहूं मंडियों में आने लगा था और केंद्र सरकार ने लगभग 78 लाख मीट्रिक टन खरीदी कोटा पहले ही स्वीकृत कर दिया था, लेकिन राज्य सरकार ने खरीदी प्रक्रिया 9 अप्रैल से शुरू की.

> चौधरी ने आरोप लगाया कि 19 लाख से अधिक किसानों के पंजीयन के बावजूद अब तक केवल लगभग 73 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है. उन्होंने 23 मई की अंतिम तिथि बढ़ाने, किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने तथा खरीदी व्यवस्था सुधारने की मांग की. कांग्रेस ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो पार्टी किसानों के समर्थन में आंदोलन तेज करेगी.

# केनरा बैंक लोन घोटाले में अफसरों-व्यवसायी पर केस

**फर्जी दस्तावेज से अधिक दर्शाई जमीन की कीमत**

**बिना जांच के कर दिया लोन पास, ईओडब्ल्यू ने की कार्रवाई**

नव भारत न्यूज

**इंदौर**. केनरा बैंक में 1.70 करोड़ रुपए के लोन घोटाले का खुलासा हुआ है. आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने फर्जी दस्तावेजों और बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से लोन स्वीकृत करने के मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है. ईओडब्ल्यू सूत्रों के अनुसार मेसर्स एवी ग्राफिक्स के प्रोपराइटर विमलेश चतुर्वेदी ने मनीष बाग क्षेत्र स्थित एक भूखंड के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसकी कीमत कागजों में कई गुना बढ़ाकर केनरा बैंक में गिरवी रखकर करीब 1.95 करोड़ रुपए के लोन के लिए आवेदन किया. आरोप है कि बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक, मंडल प्रबंधक, सेक्शन हेड और प्रोसेसिंग अधिकारी ने नियमों को दरकिनार करते हुए बिना भौतिक सत्यापन और वैध मूल्यांकन के लोन को मंजूरी दे दी.

### 23 लाख की संपत्ति को 1 .25 करोड़ दर्शाया

जांच में सामने आया कि जिस संपत्ति की वास्तविक बाजार कीमत करीब 23 लाख रुपए थी, उसे कागजों में 1.25 करोड़ रुपए दर्शाया गया. इसके अलावा भुगतान के लिए भी फर्जी दस्तावेज तैयार किए. दिसंबर 2023 में आरोपी ने करीब 1.75 करोड़ रुपए का टर्म लोन और 20 लाख रुपए की सीसी लिमिट के लिए आवेदन किया था, जिसे नियमों के विपरीत जल्द स्वीकृत कर राशि जारी कर दी गई. ईओडब्ल्यू ने मामले में विमलेश चतुर्वेदी सहित बैंक के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60